प्रबंध की प्रकृति एवं महत्त्व

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» प्रबंध की अवधारणा और आवश्यकता

प्रश्न 1 (आसान). प्रबंध का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से और दक्षता से प्राप्त करना।

प्रश्न 2 (आसान). क्या एक छोटा किराना स्टोर भी प्रबंध का उपयोग करता है?
उत्तर – हाँ, बिलकुल! उसे भी अपना सामान, ग्राहक और बिक्री प्रबंधित करनी होती है।

प्रश्न 3 (मध्यम). प्रबंध को 'कार्यों को पूरा कराने की प्रक्रिया' क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि इसमें नियोजन, संगठन, नियुक्तिकरण, निर्देशन और नियंत्रण जैसे कई क्रमबद्ध कार्य शामिल होते हैं, जो मिलकर लक्ष्य प्राप्ति में मदद करते हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). प्रबंध में 'प्रभावपूर्णता' और 'दक्षता' के बीच क्या अंतर है?
उत्तर – 'प्रभावपूर्णता' का मतलब है सही काम करना या सही लक्ष्य प्राप्त करना। 'दक्षता' का मतलब है उस काम को न्यूनतम लागत और समय में पूरा करना।

» प्रबंध की परिभाषा के मुख्य शब्द

प्रश्न 5 (आसान). प्रबंध की परिभाषा में 'प्रक्रिया' का क्या मतलब है?
उत्तर – प्रबंध के जो मुख्य कार्य हैं - जैसे नियोजन, संगठन, नियुक्तिकरण, निर्देशन और नियंत्रण - उन्हें ही प्रक्रिया कहते हैं।

प्रश्न 6 (आसान). अगर कोई काम समय पर पूरा हो जाए, तो हम उसे क्या कहेंगे - 'प्रभावी' या 'क्षमतावान'?
उत्तर – उसे हम 'प्रभावी' कहेंगे।

प्रश्न 7 (मध्यम). राम को एक दिन में 50 पैकेट बिस्कुट पैक करने थे। उसने 50 पैकेट तो पैक कर दिए, लेकिन इस दौरान उसने बहुत सारे बिस्कुट तोड़ दिए। बताओ, राम 'प्रभावी' था या 'क्षमतावान'?
उत्तर – राम प्रभावी था क्योंकि उसने लक्ष्य पूरा कर लिया। लेकिन वह क्षमतावान नहीं था क्योंकि उसने संसाधनों (बिस्कुट) का सही उपयोग नहीं किया और नुकसान कर दिया।

प्रश्न 8 (कठिन). एक फैक्ट्री का मालिक चाहता है कि इस महीने उत्पादन का लक्ष्य 10% बढ़ जाए और साथ ही प्रति यूनिट लागत 5% कम हो जाए। अगर मैनेजर ने लक्ष्य तो 10% बढ़ा दिया, लेकिन लागत 5% कम नहीं कर पाया, तो क्या हम कहेंगे कि उसका प्रबंध सफल रहा? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।
उत्तर – नहीं, उसका प्रबंध पूरी तरह सफल नहीं रहा। वह उत्पादन बढ़ाने में 'प्रभावी' तो था, क्योंकि उसने लक्ष्य पूरा किया। लेकिन वह लागत कम करने में 'क्षमतावान' नहीं रहा। अच्छे प्रबंध के लिए प्रभावी और क्षमतावान दोनों होना बहुत ज़रूरी है, तभी असली सफलता मिलती है।

» प्रभावपूर्णता बनाम कार्यक्षमता

प्रश्न 9 (आसान). अगर एक विद्यार्थी परीक्षा में पास हो जाता है, तो यह 'प्रभावपूर्णता' है या 'कार्यक्षमता'?
उत्तर – प्रभावपूर्णता

प्रश्न 10 (आसान). एक दुकानदार ने अपने स्टोर की बिक्री का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। यह क्या दर्शाता है?
उत्तर – प्रभावपूर्णता

प्रश्न 11 (मध्यम). एक कंपनी ने अपनी सभी पुरानी मशीनों को बदलकर नई मशीनें खरीदीं ताकि उत्पादन बढ़ सके। उन्होंने उत्पादन का लक्ष्य तो पा लिया, लेकिन लागत बहुत बढ़ गई। कंपनी 'प्रभावपूर्ण' थी या 'कार्यकुशल'?
उत्तर – कंपनी 'प्रभावपूर्ण' थी क्योंकि उसने लक्ष्य पा लिया, लेकिन 'कार्यकुशल' नहीं थी क्योंकि लागत बढ़ गई।

प्रश्न 12 (कठिन). एक प्रबंधक ने इस महीने के अंत तक 500 यूनिट का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा। उसने 450 यूनिट तो कम लागत में बना दिए, लेकिन 500 का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। इस स्थिति में, प्रबंधक में 'प्रभावपूर्णता' और 'कार्यक्षमता' में से किसकी कमी थी और किसकी अधिकता?
उत्तर – प्रबंधक में 'प्रभावपूर्णता' की कमी थी (क्योंकि लक्ष्य पूरा नहीं हुआ) और 'कार्यक्षमता' अधिक थी (क्योंकि कम लागत पर काम किया)।

» प्रबंध की विशेषताएँ

प्रश्न 13 (आसान). प्रबंध को देखा या छुआ नहीं जा सकता, पर इसके अच्छे परिणाम महसूस किए जा सकते हैं। यह प्रबंध की कौन-सी विशेषता है?
उत्तर – अमूर्त शक्ति

प्रश्न 14 (आसान). किसी भी संगठन का कोई न कोई लक्ष्य होता है जिसे प्राप्त करने के लिए प्रबंध किया जाता है। यह प्रबंध की किस विशेषता को दर्शाता है?
उत्तर – उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया

प्रश्न 15 (मध्यम). एक स्कूल का प्रबंध और एक अस्पताल का प्रबंध – दोनों में कुछ चीज़ें एक जैसी होती हैं। प्रबंध की इस विशेषता का क्या नाम है?
उत्तर – सर्वव्यापी

प्रश्न 16 (कठिन). मैनेजर को कार्य का प्रबंध, लोगों का प्रबंध और परिचालन का प्रबंध – इन तीनों पर ध्यान देना पड़ता है। प्रबंध की इस विशेषता को क्या कहते हैं?
उत्तर – बहुआयामी

» प्रबंध के उद्देश्य

प्रश्न 17 (आसान). प्रबंध का सबसे पहला संगठनात्मक उद्देश्य क्या है?
उत्तर – जीवित रहना (Survival)

प्रश्न 18 (आसान). कर्मचारियों को अच्छी सैलरी देना प्रबंध का कौन सा उद्देश्य है?
उत्तर – व्यक्तिगत उद्देश्य

प्रश्न 19 (मध्यम). एक कंपनी जब नए उत्पाद बाजार में लाती है या अपनी बिक्री बढ़ाती है, तो वह प्रबंध के किस संगठनात्मक उद्देश्य को पूरा कर रही है?
उत्तर – बढ़ोतरी (Growth) उद्देश्य को।

प्रश्न 20 (कठिन). किसी कंपनी द्वारा गरीब बच्चों के लिए स्कूल खोलना प्रबंध के किस उद्देश्य का उदाहरण है, और क्यों?
उत्तर – यह प्रबंध के 'सामाजिक उद्देश्य' का उदाहरण है, क्योंकि कंपनी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है और उसे लाभ के अलावा समाज का भी ध्यान रखना होता है।

» प्रबंध का महत्व

प्रश्न 21 (आसान). प्रबंध सामूहिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में कैसे मदद करता है?
उत्तर – प्रबंध सभी व्यक्तियों के प्रयासों को एक सामान्य दिशा में एकीकृत करता है, जिससे सब मिलकर एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं।

प्रश्न 22 (आसान). क्या छोटे संगठनों के लिए भी प्रबंध ज़रूरी है?
उत्तर – हाँ, प्रबंध हर प्रकार के संगठनों के लिए आवश्यक है, चाहे वे छोटे हों या बड़े, लाभ के लिए हों या गैर-लाभकारी।

प्रश्न 23 (मध्यम). प्रबंध कैसे किसी संगठन को गतिशील (dynamic) बनाता है?
उत्तर – प्रबंध संगठन को बदलते हुए वातावरण के अनुकूल ढलने में मदद करता है, जिससे वह नई चुनौतियों का सामना कर पाता है और स्थिर नहीं रहता।

प्रश्न 24 (कठिन). प्रबंध व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में कैसे सहायक होता है, जबकि उसका मुख्य लक्ष्य संगठनात्मक उद्देश्य होता है?
उत्तर – प्रबंध ऐसा वातावरण बनाता है जहाँ कर्मचारी अपने लक्ष्यों (जैसे बेहतर सैलरी, प्रमोशन) को हासिल कर सकें, जब वे संगठन के लक्ष्यों को पाने में योगदान देते हैं। इससे दोनों के उद्देश्य एक साथ पूरे होते हैं।

» प्रबंध एक कला के रूप में

प्रश्न 25 (आसान). प्रबंध की कौन-सी विशेषता कला से जुड़ी है: a) वैज्ञानिक नियम b) व्यक्तिगत कौशल c) निश्चित उत्तर
उत्तर – b) व्यक्तिगत कौशल

प्रश्न 26 (आसान). सही या गलत: कला में रचनात्मकता का कोई स्थान नहीं होता।
उत्तर – गलत

प्रश्न 27 (मध्यम). एक अच्छे प्रबंधक में कौन से व्यक्तिगत गुण होने चाहिए जो उसे कलात्मक बनाते हैं?
उत्तर – रचनात्मकता, कल्पना शक्ति, पहल क्षमता, नेतृत्व क्षमता, लोगों को समझने की क्षमता।

प्रश्न 28 (कठिन). आप कैसे समझाएंगे कि प्रबंधन में 'सैद्धांतिक ज्ञान का होना' भी कला का एक हिस्सा है, जबकि कला को अक्सर सिर्फ़ 'अभ्यास' माना जाता है?
उत्तर – कला केवल अभ्यास नहीं है, बल्कि यह सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित होती है। जैसे एक संगीतकार को सुर-ताल का ज्ञान होना ज़रूरी है, वैसे ही एक प्रबंधक को भी विपणन (Marketing), वित्त (Finance), मानव संसाधन (HR) आदि के सिद्धांत पता होने चाहिए। इस सैद्धांतिक ज्ञान का व्यक्तिगत रूप से कुशल उपयोग करना ही कला है।

» प्रबंध एक विज्ञान के रूप में

प्रश्न 29 (आसान). विज्ञान की कौन सी विशेषता बताती है कि इसके सिद्धांत कारण और परिणाम पर आधारित होते हैं?
उत्तर – क्रमबद्ध ज्ञान-समूह

प्रश्न 30 (आसान). क्या वैज्ञानिक सिद्धांत सार्वभौमिक होते हैं?
उत्तर – हाँ, वे सार्वभौमिक होते हैं।

प्रश्न 31 (मध्यम). प्रबंध के सिद्धांतों को 'परीक्षण पर आधारित सिद्धांत' क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि प्रबंध के सिद्धांत भी अवलोकन और बार-बार के परीक्षणों के आधार पर विकसित किए जाते हैं, भले ही वे मानव व्यवहार से जुड़े होने के कारण शुद्ध विज्ञान जितने सटीक न हों।

प्रश्न 32 (कठिन). प्रबंध को विज्ञान क्यों कहा जाता है, लेकिन इसे शुद्ध विज्ञान से अलग कैसे मानते हैं?
उत्तर – प्रबंध को विज्ञान इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें क्रमबद्ध ज्ञान-समूह, परीक्षण पर आधारित सिद्धांत और व्यापक वैधता जैसी विशेषताएं हैं। लेकिन यह शुद्ध विज्ञान से अलग है क्योंकि यह मानव व्यवहार से जुड़ा है, जिसके परिणाम हमेशा 100% सटीक या दोहराने योग्य नहीं होते, इसलिए इसमें लचीलापन ज़रूरी होता है।

» प्रबंध एक पेशे के रूप में

प्रश्न 33 (आसान). प्रबंध के 'पेशे' के रूप में पाँच मुख्य विशेषताओं में से एक का नाम बताओ।
उत्तर – सुव्यवस्थित ज्ञान समूह / प्रवेश पर प्रतिबंध / पेशेवर परिषद / नैतिक आचार संहिता / सेवा उद्देश्य

प्रश्न 34 (आसान). क्या डॉक्टर का पेशा 'नैतिक आचार संहिता' का पालन करता है? हाँ या नहीं?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 35 (मध्यम). प्रबंध 'प्रवेश पर प्रतिबंध' की विशेषता को पूरी तरह से क्यों पूरा नहीं करता?
उत्तर – क्योंकि प्रबंधक बनने के लिए कानूनी रूप से कोई विशेष शैक्षणिक योग्यता या डिग्री अनिवार्य नहीं है, जबकि अन्य पेशेवर जैसे डॉक्टर या वकील के लिए यह ज़रूरी है।

प्रश्न 36 (कठिन). आपकी राय में, भविष्य में प्रबंध पूरी तरह से एक पेशा बन जाएगा? कारण सहित बताओ।
उत्तर – यह हो सकता है कि भविष्य में प्रबंध पूरी तरह से एक पेशा बन जाए, क्योंकि प्रबंध शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है और धीरे-धीरे पेशेवर संघ भी बन रहे हैं। हालांकि, इसमें अभी भी कानूनी अनिवार्यता और नैतिक आचार संहिता की सार्वभौमिक स्वीकृति की कमी है। अगर ये कमियां पूरी हो जाएं तो यह पूरी तरह से पेशा बन सकता है।

» प्रबंध के स्तर

प्रश्न 37 (आसान). किसी कंपनी का CEO (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर) प्रबंध के किस स्तर पर आता है?
उत्तर – उच्च स्तरीय प्रबंध

प्रश्न 38 (आसान). फ़ैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों को सीधे निर्देश कौन देता है?
उत्तर – पर्यवेक्षीय/प्रचालन प्रबंधक

प्रश्न 39 (मध्यम). प्रबंध के किस स्तर के प्रबंधक उच्च प्रबंधकों द्वारा बनाई गई योजनाओं को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार होते हैं?
उत्तर – मध्य स्तरीय प्रबंध

प्रश्न 40 (कठिन). किसी बड़े ऑटोमोबाइल प्लांट में, 'गुणवत्ता नियंत्रण' (Quality Control) के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और पूरी कंपनी के लिए नई बाजार रणनीति (Market Strategy) बनाना, ये कौन से प्रबंधकीय स्तर के कार्य हैं?
उत्तर – गुणवत्ता नियंत्रण के लक्ष्य निर्धारित करना उच्च स्तरीय प्रबंध का कार्य है, और नई बाजार रणनीति बनाना भी उच्च स्तरीय प्रबंध का कार्य है, क्योंकि ये पूरे संगठन को प्रभावित करने वाले बड़े निर्णय होते हैं।

» प्रबंध के कार्य (योजना, संगठन, नियुक्तिकरण, निर्देशन, नियंत्रण)

प्रश्न 41 (आसान). प्रबंध का पहला और सबसे मूल कार्य कौन सा है?
उत्तर – नियोजन (Planning)

प्रश्न 42 (आसान). कर्मचारियों को काम पर रखने और उन्हें प्रशिक्षण देने का कार्य प्रबंध के किस कार्य के अंतर्गत आता है?
उत्तर – नियुक्तिकरण (Staffing)

प्रश्न 43 (मध्यम). एक प्रबंधक ने अपनी टीम को एक नया प्रोजेक्ट समझाया और उन्हें काम करने के लिए प्रेरित किया। प्रबंध के ये कौन से कार्य हैं?
उत्तर – निर्देशन (Directing) और कुछ हद तक नियोजन (Planning), क्योंकि समझाना योजना का ही हिस्सा है, और प्रेरित करना निर्देशन का मुख्य भाग है।

प्रश्न 44 (कठिन). आपकी कंपनी ने लक्ष्य रखा था कि इस महीने 1000 यूनिट का उत्पादन होगा, लेकिन केवल 800 यूनिट ही बन पाईं। इस अंतर का पता लगाकर सुधार के लिए कदम उठाना प्रबंध का कौन सा कार्य कहलाएगा?
उत्तर – नियंत्रण (Controlling)

» समन्वय - प्रबंधन का सार है

प्रश्न 45 (आसान). प्रबंध के वे कौन से पाँच कार्य हैं, जिन्हें समन्वय एक साथ जोड़ता है?
उत्तर – नियोजन, संगठन, नियुक्तिकरण, निर्देशन और नियंत्रण।

प्रश्न 46 (आसान). क्या समन्वय प्रबंधन का एक अलग कार्य है या उसका सार?
उत्तर – यह प्रबंधन का सार है।

प्रश्न 47 (मध्यम). अगर एक बड़े सुपरमार्केट में सामान खरीदने वाला विभाग (purchase) और बेचने वाला विभाग (sales) आपस में समन्वय न करें तो क्या हो सकता है?
उत्तर – ग्राहक जो सामान मांगेंगे, वह स्टॉक में नहीं मिलेगा या फिर बहुत सारा सामान पड़ा रहेगा जो बिकेगा नहीं, जिससे नुकसान होगा। बिक्री भी प्रभावित होगी।

प्रश्न 48 (कठिन). आपकी कक्षा के प्रोजेक्ट में, हर छात्र को एक अलग काम दिया गया है। अगर कोई भी समन्वय न हो, तो प्रोजेक्ट पर क्या असर पड़ेगा और क्यों?
उत्तर – प्रोजेक्ट अधूरा रहेगा या खराब बनेगा क्योंकि अलग-अलग काम करने वाले छात्र एक-दूसरे के हिस्से को नहीं जानते होंगे। काम दोहराया जा सकता है या छूट सकता है, जिससे समय और मेहनत बर्बाद होगी।

» समन्वय की प्रकृति

प्रश्न 49 (आसान). समन्वय का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – सामूहिक कार्यों में एकता और एकरूपता लाना।

प्रश्न 50 (आसान). क्या समन्वय एक बार का कार्य है या निरंतर चलने वाली प्रक्रिया?
उत्तर – यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

प्रश्न 51 (मध्यम). प्रबंध के किस स्तर पर समन्वय की आवश्यकता होती है?
उत्तर – प्रबंध के सभी स्तरों पर (उच्च, मध्य और परिचालन स्तर)।

प्रश्न 52 (कठिन). समन्वय को 'सोचा समझा कार्य' क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि एक प्रबंधक को विभिन्न लोगों के कार्यों को ध्यानपूर्वक और सोच-समझकर एकजुट करना होता है, यह अपने आप नहीं हो जाता।

» समन्वय का महत्व

प्रश्न 53 (आसान). बड़े संगठनों में समन्वय क्यों मुश्किल हो जाता है?
उत्तर – क्योंकि वहाँ बहुत सारे लोग होते हैं और सबकी अपनी सोच होती है।

प्रश्न 54 (आसान). अगर किसी संगठन में अलग-अलग विभाग हों, तो समन्वय क्यों ज़रूरी है?
उत्तर – ताकि सारे विभाग मिलकर एक ही लक्ष्य की तरफ काम करें और अलग-अलग न भटकें।

प्रश्न 55 (मध्यम). विशिष्टीकरण का क्या मतलब है, और यह समन्वय की ज़रूरत को कैसे बढ़ा देता है?
उत्तर – विशिष्टीकरण का मतलब है जब लोग किसी एक काम में एक्सपर्ट हो जाते हैं। इससे समन्वय की ज़रूरत बढ़ती है क्योंकि हर एक्सपर्ट सिर्फ अपने काम को सबसे ज़रूरी समझ सकता है, और अगर उनके काम में तालमेल न हो तो पूरी प्रक्रिया रुक जाएगी।

प्रश्न 56 (कठिन). कल्पना कीजिए, एक अस्पताल में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन काम करते हैं। यहाँ समन्वय की कमी से क्या गंभीर परिणाम हो सकते हैं? विस्तार से बताइए।
उत्तर – अस्पताल में समन्वय की कमी से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन के बीच तालमेल न हो, तो मरीज़ को गलत दवा मिल सकती है, टेस्ट रिपोर्ट समय पर नहीं मिलेगी, या ज़रूरी इलाज में देरी हो सकती है, जिससे मरीज़ की जान को खतरा हो सकता है। यह कार्यात्मक विभेदीकरण और विशिष्टीकरण का उत्तम उदाहरण है जहाँ हर विशेषज्ञ को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होता है।

» इक्कीसवीं शताब्दी में प्रबंधन

प्रश्न 57 (आसान). आज के समय में किस तरह के कौशल ज़्यादा ज़रूरी हैं: सिर्फ़ तकनीकी कौशल या मानवीय कौशल भी?
उत्तर – दोनों ही तरह के कौशल, यानी तकनीकी (हार्ड) और मानवीय (सॉफ्ट) कौशल, ज़रूरी हैं।

प्रश्न 58 (आसान). क्या एक प्रबंधक को इक्कीसवीं सदी में नया सीखना बंद कर देना चाहिए?
उत्तर – नहीं, उसे लगातार सीखते रहना चाहिए क्योंकि दुनिया बहुत तेज़ी से बदल रही है।

प्रश्न 59 (मध्यम). एक कंपनी को इक्कीसवीं सदी में क्यों अपनी प्रबंध शैली में बदलाव लाना चाहिए?
उत्तर – बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, नई तकनीकें, और ग्राहक की बदलती उम्मीदों के कारण कंपनी को प्रभावी बने रहने और प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए अपनी प्रबंध शैली में बदलाव लाना चाहिए।

प्रश्न 60 (कठिन). उदाहरण देकर समझाइए कि 'हार्ड कौशल' और 'सॉफ्ट कौशल' में क्या अंतर है और दोनों क्यों महत्वपूर्ण हैं।
उत्तर – हार्ड कौशल तकनीकी या विशिष्ट ज्ञान होता है, जैसे कंप्यूटर चलाना, डेटा एनालिसिस करना। सॉफ्ट कौशल मानवीय गुण होते हैं, जैसे टीमवर्क, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान। जैसे एक सॉफ्टवेयर कंपनी में, इंजीनियर को कोड लिखने का हार्ड कौशल चाहिए, पर टीम लीडर को अपनी टीम को समझने और प्रेरित करने का सॉफ्ट कौशल भी चाहिए, तभी प्रोजेक्ट सफल होगा।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए आपके विद्यालय में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित करना है। इसे प्रबंधित करने के लिए आप क्या-क्या कदम उठाएंगे?

› लक्ष्य निर्धारित करना: सबसे पहले हम तय करेंगे कि समारोह में क्या-क्या कार्यक्रम होंगे (जैसे भाषण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड)।

› योजना बनाना: फिर हम एक विस्तृत योजना बनाएंगे कि कौन सा कार्यक्रम कब होगा, कितने समय का होगा, कौन से छात्र और शिक्षक इसमें शामिल होंगे।

› जिम्मेदारियाँ बांटना: अलग-अलग कामों के लिए टीमें बनाएंगे – जैसे स्टेज सजाने के लिए एक टीम, खाने-पीने के लिए दूसरी, मेहमानों को बुलाने के लिए तीसरी।

› संसाधन जुटाना: देखेंगे कि हमें माइक, कुर्सी, झंडे, पुरस्कार आदि की कितनी ज़रूरत है और कहाँ से मिलेंगे।

› निगरानी और सुधार: समारोह के दौरान यह देखेंगे कि सब कुछ योजना के अनुसार हो रहा है या नहीं, और अगर कहीं कोई दिक्कत आ रही है तो उसे तुरंत ठीक करेंगे।

उत्तर – इस पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से चलाने से ही गणतंत्र दिवस समारोह सफलतापूर्वक आयोजित हो पाएगा, और यही 'प्रबंध' है।

उदाहरण 2. एक कंपनी का लक्ष्य एक महीने में 10,000 यूनिट मोबाइल फोन बनाना है। उन्होंने एक महीने में 10,000 यूनिट बना लिए, लेकिन इसके लिए उन्हें मजदूरों को ओवरटाइम देना पड़ा और मशीनें बहुत ज़्यादा देर तक चलानी पड़ीं, जिससे बिजली का बिल और मेंटेनेंस का खर्चा बहुत बढ़ गया। क्या कंपनी प्रभावी थी? क्या वह क्षमतावान थी?

› सबसे पहले, हम देखते हैं कि 'लक्ष्य' क्या था - 10,000 यूनिट मोबाइल फोन बनाना।

› दूसरा, हम देखते हैं कि 'परिणाम' क्या रहा - कंपनी ने 10,000 यूनिट बना लिए।

› क्योंकि कंपनी ने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया, यानी परिणाम हासिल कर लिया, तो हम कहेंगे कि कंपनी 'प्रभावी' थी।

› अब, हम देखते हैं कि 'लागत' क्या रही - ओवरटाइम, ज़्यादा बिजली का बिल, ज़्यादा मेंटेनेंस। ये सब खर्चे बढ़ गए।

› क्योंकि लागत बहुत बढ़ गई और संसाधनों का सही उपयोग नहीं हुआ, तो हम कहेंगे कि कंपनी 'क्षमतावान' नहीं थी।

उत्तर – कंपनी प्रभावी थी, लेकिन क्षमतावान नहीं थी।

उदाहरण 3. एक फैक्ट्री को महीने में 1000 खिलौने बनाने हैं। मैनेजर 'A' ने 1000 खिलौने बना दिए, लेकिन इसके लिए ओवरटाइम और महंगी मशीनों का इस्तेमाल किया, जिससे लागत बहुत ज़्यादा आई। मैनेजर 'B' ने भी 1000 खिलौने बना दिए, लेकिन उसने पुरानी मशीनों को ही ठीक से इस्तेमाल किया और कम लागत में काम पूरा कर लिया। बताओ कौन ज़्यादा 'प्रभावपूर्ण' था और कौन ज़्यादा 'कार्यकुशल'?

› पहला, हम 'प्रभावपूर्णता' देखेंगे। लक्ष्य 1000 खिलौने बनाना था।

› मैनेजर 'A' ने 1000 खिलौने बनाए। मैनेजर 'B' ने भी 1000 खिलौने बनाए।

› तो दोनों मैनेजर 'प्रभावपूर्ण' थे, क्योंकि दोनों ने लक्ष्य पूरा कर लिया।

› अब, 'कार्यक्षमता' देखेंगे। कार्यक्षमता का मतलब है कम लागत पर काम करना।

› मैनेजर 'A' ने ज़्यादा लागत लगाई। मैनेजर 'B' ने कम लागत में काम किया।

› इसलिए, मैनेजर 'B' ज़्यादा 'कार्यकुशल' था।

› अगर मैनेजर 'A' ने 1000 खिलौने तो बनाए, लेकिन 1200 का लक्ष्य पूरा नहीं किया होता, तो वह 'प्रभावपूर्ण' भी नहीं होता।

उत्तर – मैनेजर 'A' और मैनेजर 'B' दोनों 'प्रभावपूर्ण' थे, क्योंकि दोनों ने लक्ष्य (1000 खिलौने बनाना) पूरा किया। मैनेजर 'B' ज़्यादा 'कार्यकुशल' था, क्योंकि उसने कम लागत पर काम पूरा किया।

उदाहरण 4. मैकडॉनल्ड्स ने भारतीय बाज़ार में टिके रहने के लिए अपनी खान-पान सूची में भारी बदलाव किए। यह प्रबंध की किस विशेषता को दर्शाता है?

› सबसे पहले सोचो कि मैकडॉनल्ड्स ने ये बदलाव क्यों किए। भारतीय ग्राहक बर्गर में सिर्फ़ मांसाहारी चीज़ें नहीं खाते, और शाकाहारी विकल्प भी चाहिए होते हैं।

› अब देखो कि क्या यह पर्यावरण के साथ बदलने की बात कर रहा है? हाँ, भारतीय बाज़ार का पर्यावरण अलग है।

› प्रबंध की वह विशेषता जो बाहरी पर्यावरण के हिसाब से बदलने की बात करती है, उसे 'गतिशील कार्य' कहते हैं।

› मैकडॉनल्ड्स ने खुद को भारतीय संस्कृति और पसंद के अनुसार ढाला, ताकि वे सफल रह सकें। यह बिल्कुल एक गतिशील कार्य है।

› तो, मैकडॉनल्ड्स का अपनी मेन्यू बदलना, प्रबंध की 'गतिशील कार्य' विशेषता को दर्शाता है।

उत्तर – यह प्रबंध की 'गतिशील कार्य' विशेषता को दर्शाता है।

उदाहरण 5. एक नई कपड़े की दुकान 'फैशन हब' शहर में खुली है। इसके तीन साल पूरे हो गए हैं। बताइए, 'फैशन हब' के लिए प्रबंध के अलग-अलग उद्देश्य क्या हो सकते हैं?

› पहला, 'फैशन हब' का सबसे पहला संगठनात्मक उद्देश्य होगा 'जीवित रहना'। यानी, कम से कम इतना कमाना कि उसका किराया, कर्मचारियों की सैलरी और माल की लागत निकल जाए और दुकान बंद न हो।

› दूसरा, 'जीवित रहने' के बाद दूसरा संगठनात्मक उद्देश्य है 'लाभ कमाना'। दुकान चाहेगी कि वह इतना पैसा कमाए कि मालिक को फायदा हो, और भविष्य में निवेश भी कर सके।

› तीसरा, 'लाभ' कमाने के बाद तीसरा संगठनात्मक उद्देश्य होगा 'बढ़ोतरी'। दुकान चाहेगी कि वह और कपड़े बेचे, ज़्यादा ग्राहक बनाए, शायद किसी दूसरे मोहल्ले में एक और ब्रांच खोले या ऑनलाइन बिक्री शुरू करे।

› चौथा, 'सामाजिक उद्देश्य' के तहत, 'फैशन हब' को यह भी देखना होगा कि वह अच्छे कपड़े उचित दाम पर बेचे, मिलावटी माल न बेचे, आसपास के गरीब लोगों को रोजगार दे और पर्यावरण का भी ध्यान रखे।

› पाँचवाँ, 'व्यक्तिगत उद्देश्य' के रूप में, 'फैशन हब' के प्रबंधकों को अपने कर्मचारियों का भी ध्यान रखना होगा। उन्हें अच्छी सैलरी देना, काम करने का अच्छा माहौल देना, और उनके विकास के लिए ट्रेनिंग देना, ये सब इसमें शामिल हैं।

उत्तर – 'फैशन हब' के लिए प्रबंध के उद्देश्य जीवित रहना, लाभ कमाना, बढ़ोतरी करना (संगठनात्मक); समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना (सामाजिक); और कर्मचारियों का कल्याण करना (व्यक्तिगत) होंगे।

उदाहरण 6. एक फैक्ट्री है जो जूते बनाती है। उसके सामने 5000 जूते एक महीने में बनाने का लक्ष्य है। अगर फैक्ट्री में कुशल प्रबंध (efficient management) न हो, तो क्या यह लक्ष्य पूरा हो पाएगा? कैसे?

› स्टेप 1: लक्ष्य की पहचान - फैक्ट्री को एक महीने में 5000 जूते बनाने हैं।

› स्टेप 2: प्रबंध की अनुपस्थिति में - अगर प्रबंध नहीं है, तो शायद कोई मज़दूर देर से आए, कोई कच्चा माल बर्बाद करे, मशीनें खराब पड़ी रहें, कोई क्वालिटी चेक न हो।

› स्टेप 3: परिणाम - लक्ष्य पूरा नहीं होगा। समय पर जूते नहीं बन पाएंगे, क्वालिटी खराब होगी, लागत बढ़ जाएगी।

› स्टेप 4: प्रबंध की भूमिका - कुशल प्रबंध यह सुनिश्चित करेगा कि कच्चा माल सही समय पर आए, मज़दूरों को सही काम मिले, मशीनें चलती रहें, क्वालिटी चेक हो। इससे सारे लोग एक ही दिशा में काम करेंगे।

› स्टेप 5: लक्ष्य की प्राप्ति - प्रबंध की वजह से फैक्ट्री समय पर 5000 जूते, अच्छी क्वालिटी में और कम लागत पर बना पाएगी।

उत्तर – नहीं, कुशल प्रबंध के बिना 5000 जूते बनाने का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा। प्रबंध ही यह सुनिश्चित करता है कि सभी संसाधन और लोग मिलकर एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में काम करें, जिससे कार्यक्षमता बढ़ती है और लक्ष्य हासिल होते हैं।

उदाहरण 7. एक प्रबंधक (Manager) को अपनी टीम से एक महीने में 100 यूनिट का उत्पादन करवाना है। यह प्रबंध एक कला कैसे है?

› पहला कदम: सैद्धांतिक ज्ञान का उपयोग - प्रबंधक को उत्पादन, मानव संसाधन, समय प्रबंधन जैसे विषयों का ज्ञान है। उसने किताबों से, ट्रेनिंग से ये सब सीखा है।

› दूसरा कदम: व्यक्तिगत योग्यतानुसार उपयोग - प्रबंधक अपनी टीम के हर सदस्य को जानता है। वो जानता है कि कौन किस काम में अच्छा है, कौन तेज़ी से काम करता है, कौन क्रिएटिव है। वह अपने ज्ञान को हर कर्मचारी की खासियत के हिसाब से इस्तेमाल करता है, न कि सबको एक ही लाठी से हाँकता है।

› तीसरा कदम: व्यवहार और रचनात्मकता - मान लो, एक मशीन खराब हो गई या कोई कर्मचारी बीमार पड़ गया। ऐसी मुश्किल परिस्थिति में प्रबंधक रटे-रटाए नियमों पर नहीं चलता, बल्कि अपनी सूझबूझ और रचनात्मकता से नई तरकीब निकालता है। वह कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए नए-नए तरीके अपनाता है, जिससे लक्ष्य पूरा हो सके।

› चौथा कदम: परिणाम - अंत में, अपनी सूझबूझ, ज्ञान और रचनात्मकता से प्रबंधक 100 यूनिट का उत्पादन समय पर करवा लेता है, जो एक सफल कला का प्रदर्शन है।

उत्तर – प्रबंधक ने अपने ज्ञान, व्यक्तिगत कौशल और रचनात्मकता का उपयोग करके लक्ष्य प्राप्त किया, इसलिए यह एक कला है।

उदाहरण 8. एक फैक्ट्री में मैनेजर को श्रमिकों की उत्पादकता (productivity) बढ़ानी है। क्या वह विज्ञान के सिद्धांतों का उपयोग कर सकता है?

› स्टेप 1: मैनेजर पहले देखेगा कि विज्ञान की तरह, प्रबंध में 'कार्य विभाजन' (Division of Work) का एक क्रमबद्ध ज्ञान-समूह है।

› स्टेप 2: वह इस सिद्धांत को अपनी फैक्ट्री में छोटे पैमाने पर 'परीक्षण' करेगा। जैसे, कुछ मजदूरों को सिर्फ एक ही काम बार-बार करने को देगा और देखेगा कि क्या उनकी काम करने की गति बढ़ती है।

› स्टेप 3: यदि परीक्षण सफल होता है और उत्पादकता बढ़ती है, तो वह समझेगा कि यह सिद्धांत 'व्यापक वैधता' रखता है और इसे पूरी फैक्ट्री में लागू किया जा सकता है, ठीक विज्ञान के नियम की तरह।

उत्तर – हाँ, मैनेजर प्रबंध के वैज्ञानिक सिद्धांतों का उपयोग करके उत्पादकता बढ़ा सकता है।

उदाहरण 9. मान लीजिए एक व्यक्ति किसी बड़ी कंपनी का सीईओ (CEO) बनना चाहता है। क्या उसे कानूनन किसी विशेष डिग्री की आवश्यकता होगी, जैसे एक डॉक्टर या वकील को होती है?

› पहला चरण: पेशे की विशेषताओं को याद करो। 'प्रवेश पर प्रतिबंध' (Restricted Entry) एक महत्वपूर्ण विशेषता है, जिसका अर्थ है कि किसी पेशे में प्रवेश के लिए विशेष शैक्षणिक योग्यता या परीक्षा पास करना अनिवार्य होता है।

› दूसरा चरण: यह देखें कि क्या प्रबंधकीय पदों के लिए ऐसी कोई कानूनी अनिवार्यता है। वर्तमान में, विश्व में किसी भी व्यक्ति को प्रबंधक बनने के लिए कानूनी तौर पर कोई विशेष डिग्री अनिवार्य नहीं है।

› तीसरा चरण: तुलना करो। डॉक्टर या वकील को अपने पेशे में काम करने के लिए वैध डिग्री और संबंधित परिषद की

सदस्यता अनिवार्य होती है, जबकि एक प्रबंधक के लिए ऐसा नहीं है।

› चौथा चरण: निष्कर्ष निकालो कि प्रबंध 'प्रवेश पर प्रतिबंध' वाली विशेषता को पूरी तरह से पूरा नहीं करता है।

उत्तर – नहीं, किसी कंपनी का CEO बनने के लिए कानूनन कोई विशेष डिग्री अनिवार्य नहीं है, जैसे एक डॉक्टर या वकील के लिए होती है। जबकि प्रबंधकीय शिक्षा और अनुभव बहुत मूल्यवान हैं, कानूनी रूप से यह डॉक्टर या वकील के पेशे जितना प्रतिबंधित नहीं है।

उदाहरण 10. एक बड़ी कपड़े की फैक्ट्री में, कर्मचारियों के लिए सुरक्षा नियमों को लागू करने की ज़िम्मेदारी किस स्तर के प्रबंधक की होगी?

› सबसे पहले, उच्च स्तरीय प्रबंध (जैसे CEO) यह तय करेगा कि फैक्ट्री में सुरक्षा बहुत ज़रूरी है और इसके लिए नीतियाँ बनानी होंगी।

› फिर, मध्य स्तरीय प्रबंध (जैसे प्रोडक्शन मैनेजर या HR मैनेजर) उन नीतियों को अपनी टीम तक पहुँचाएगा और बताएगा कि सुरक्षा के क्या-क्या नियम होंगे।

› अंत में, पर्यवेक्षीय या प्रचालन प्रबंधक (जैसे सुपरवाइज़र या फ़ोरमैन) सीधे कर्मचारियों के साथ काम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हर कर्मचारी उन सुरक्षा नियमों का पालन करे, जैसे हेलमेट पहनना या मशीन को सही तरीके से चलाना। वे ही देखेंगे कि नियम लागू हो रहे हैं या नहीं।

उत्तर – सुरक्षा नियमों को सीधे कर्मचारियों से लागू करवाने की ज़िम्मेदारी मुख्य रूप से पर्यवेक्षीय/प्रचालन स्तर के प्रबंधक की होगी, हालांकि इसकी नीति उच्च स्तर पर बनेगी और मध्य स्तर द्वारा समझाई जाएगी।

उदाहरण 11. मान लीजिए एक कंपनी को अगले साल 10 लाख रुपये का लाभ कमाना है। प्रबंधक इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'नियोजन' के तहत क्या कदम उठाएगा?

› सबसे पहले प्रबंधक यह तय करेगा कि 10 लाख का लाभ कैसे कमाना है - क्या उत्पादन बढ़ाना है, या लागत कम करनी है, या नए बाज़ार में जाना है।

› फिर, वह यह तय करेगा कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कौन-कौन सी गतिविधियाँ करनी होंगी (जैसे, 'नए बाज़ार के लिए रिसर्च' या 'उत्पादन क्षमता बढ़ाना')।

› इसके बाद, वह समय-सीमा निर्धारित करेगा कि कौन सा काम कब तक पूरा हो जाना चाहिए।

› अंत में, वह यह भी सोचेगा कि अगर कोई समस्या आती है तो उसका सामना कैसे करेंगे, यानी आपातकालीन योजना भी बनाएगा।

उत्तर – नियोजन के तहत प्रबंधक अपने लक्ष्य (10 लाख का लाभ) को प्राप्त करने के लिए 'क्या', 'कब', 'कैसे' और 'किसके द्वारा' किया जाएगा, यह पहले से ही तय करता है।

उदाहरण 12. एक कपड़े बनाने वाली फैक्ट्री है। उन्हें दीवाली से पहले 10,000 साड़ियां तैयार करनी हैं। इसमें क्रय विभाग (कच्चा माल खरीदने वाला), उत्पादन विभाग (साड़ी बनाने वाला) और विक्रय विभाग (बेचने वाला) शामिल हैं। समन्वय के बिना क्या समस्याएँ आ सकती हैं?

› पहला चरण: क्रय विभाग ने समय पर बढ़िया क्वालिटी का कपड़ा नहीं खरीदा।

› दूसरा चरण: उत्पादन विभाग के पास कच्चा माल ही नहीं पहुँचा या गलत तरह का पहुँचा।

› तीसरा चरण: उत्पादन विभाग ने साड़ियां तो बना लीं, लेकिन विक्रय विभाग को पता ही नहीं कि कितनी साड़ियां तैयार हैं और उन्हें कब से बेचना शुरू करना है।

› चौथा चरण: विक्रय विभाग ने ग्राहकों को दीवाली के लिए साड़ियों का विज्ञापन तो कर दिया, लेकिन उत्पादन विभाग अभी तक साड़ियां बना ही नहीं पाया है।

› परिणाम: दीवाली की सेल खराब हो गई, फैक्ट्री को नुकसान हुआ और ग्राहक भी निराश हुए। यह सब समन्वय की कमी के कारण हुआ।

उत्तर – समन्वय के अभाव में तीनों विभाग अलग-अलग काम करते रहे, जिससे समय पर 10,000 साड़ियों का उत्पादन और बिक्री नहीं हो पाई, और भारी नुकसान उठाना पड़ा।

उदाहरण 13. एक कपड़े की फैक्ट्री में उत्पादन विभाग ने 500 कमीजें बनाईं, लेकिन बिक्री विभाग को केवल 200 कमीजें बेचने का ऑर्डर मिला था। समन्वय की कमी कहाँ थी?

› यहाँ उत्पादन विभाग और बिक्री विभाग के बीच जानकारी का आदान-प्रदान ठीक से नहीं हुआ।

› उत्पादन विभाग को बिक्री विभाग से सही मांग का अनुमान नहीं मिल पाया।

› सही समन्वय होता तो बिक्री विभाग पहले ही बता देता कि कितनी कमीजों की मांग है।

› उत्पादन विभाग उसी के अनुसार उत्पादन करता, जिससे अतिरिक्त स्टॉक और नुकसान से बचा जा सकता था।

उत्तर – उत्पादन और बिक्री विभागों के बीच मांग के संबंध में जानकारी का समन्वय न होने के कारण।

उदाहरण 14. एक कपड़े की फैक्ट्री है जहाँ 5000 कर्मचारी काम करते हैं। यहाँ कपड़े की डिज़ाइनिंग, कटिंग, सिलाई, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए अलग-अलग विभाग हैं। इन विभागों के बीच समन्वय क्यों ज़रूरी है और इसके अभाव में क्या हो सकता है?

› पहला कारण: संगठन का आकार। 5000 कर्मचारी एक बहुत बड़ी संख्या है। हर व्यक्ति की अपनी सोच, काम करने का तरीका और ज़रूरतें होती हैं। अगर इनके उद्देश्यों को समन्वय द्वारा एक नहीं किया जाएगा, तो सब अपनी-अपनी धुन में काम करेंगे और फैक्ट्री का लक्ष्य (जैसे समय पर ऑर्डर पूरा करना) पूरा नहीं होगा।

› दूसरा कारण: कार्यात्मक विभेदीकरण। फैक्ट्री को अलग-अलग विभागों (डिज़ाइनिंग, कटिंग, सिलाई आदि) में बांटा गया है। हर विभाग का अपना 'एरिया' है। अगर इन विभागों के बीच तालमेल न हो, तो डिज़ाइनर कुछ और डिज़ाइन करेंगे, कटर कुछ और काटेंगे, सिलाई वाले कुछ और सिलेंगे और मार्केटिंग वाले कुछ और बेचेंगे। सब अलग-अलग दिशा में काम करेंगे।

› तीसरा कारण: विशिष्टीकरण। हर विभाग में विशेषज्ञ होते हैं - जैसे डिज़ाइनर केवल डिज़ाइन के विशेषज्ञ हैं, और कटिंग वाले केवल कटिंग के। ये विशेषज्ञ सोचते हैं कि उनका काम ही सबसे महत्वपूर्ण है। अगर इनके काम में समन्वय न हो, तो डिज़ाइनर भले ही बहुत अच्छी डिज़ाइन बनाए, अगर वो कटर तक सही से न पहुँचे या सिलाई वाले उसे सही से न सिल पाएँ, तो वो डिज़ाइन बेकार है।

› अभाव में परिणाम: अगर समन्वय न हो, तो फैक्ट्री में देरी होगी, लागत बढ़ेगी, कपड़े की गुणवत्ता खराब होगी, ग्राहक नाराज़ होंगे और अंत में फैक्ट्री को भारी नुकसान होगा।

उत्तर – कपड़े की फैक्ट्री में समन्वय संगठन के बड़े आकार, कार्यात्मक विभेदीकरण और विशिष्टीकरण के कारण बहुत ज़रूरी है ताकि सभी 5000 कर्मचारी और अलग-अलग विभाग मिलकर एक ही लक्ष्य (जैसे गुणवत्तापूर्ण कपड़े बनाना और बेचना) की ओर काम करें। इसके अभाव में, फैक्ट्री का उत्पादन रुक जाएगा, गुणवत्ता खराब होगी और भारी नुकसान होगा।

उदाहरण 15. एक कपड़े की दुकान 'रंगोली बुटीक' जो पहले सिर्फ़ शहर में दुकान से कपड़े बेचती थी, अब वह ऑनलाइन भी बेचना चाहती है। इक्कीसवीं सदी में उसे प्रबंधन के लिए किन कौशलों की ज़रूरत होगी?

› पहला, उसे 'हार्ड स्किल्स' चाहिए। जैसे, ऑनलाइन वेबसाइट कैसे बनती है, डिजिटल मार्केटिंग कैसे करते हैं ताकि लोग उसकी दुकान को ऑनलाइन ढूंढ पाएं, पेमेंट गेटवे कैसे लगाते हैं।

› दूसरा, उसे 'सॉफ्ट स्किल्स' भी चाहिए। जैसे, ऑनलाइन कस्टमर्स से कैसे बात करनी है (उनकी शिकायतें सुनना, उन्हें जवाब देना), अपने ऑनलाइन टीम को कैसे प्रेरित करना है, बदलते फैशन ट्रेंड्स को कैसे समझना है।

› तीसरा, उसे लगातार सीखना होगा। ऑनलाइन दुनिया में रोज़ कुछ नया आता है – नए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, नए विज्ञापन के तरीके। उसे हमेशा अप-टू-डेट रहना होगा।

उत्तर – रंगोली बुटीक को ऑनलाइन बिक्री के लिए तकनीकी (हार्ड) और ग्राहक संबंध (सॉफ्ट) दोनों कौशल चाहिए होंगे, साथ ही उसे लगातार नई चीजें सीखनी होंगी।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर 'प्रबंध क्या है?' और 'प्रभावपूर्णता तथा दक्षता में अंतर' जैसे प्रश्न पूछे जाते हैं। परिभाषा को उदाहरण के साथ समझाना ज़रूरी है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है। 'प्रबंध की विशेषताओं' पर सीधा प्रश्न आ सकता है, या फिर किसी उदाहरण के ज़रिए आपसे कोई एक विशेषता पूछी जा सकती है। हर विशेषता को अच्छे से समझकर जाना, खासकर बहुआयामी वाली – वो थोड़ी बड़ी है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 3 से 5 नंबर का सीधा प्रश्न आता है, जिसमें आपको इन तीनों उद्देश्यों को विस्तार से समझाना होता है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं कि 'प्रबंध के महत्व के किन्हीं चार बिंदुओं की व्याख्या करें'। इसलिए इन बिंदुओं को अच्छे से समझकर जाना।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर अलग-अलग स्तरों के कार्यों या उनकी जिम्मेदारियों पर सीधा प्रश्न आता है, या फिर किसी स्थिति को देकर पूछा जाता है कि यह किस स्तर का काम है। तीनों स्तरों के प्रमुख कार्य अच्छे से याद कर लेना।

• इन पाँचों कार्यों की परिभाषाएँ और उनके मुख्य बिंदुओं को अच्छे से समझ लेना, क्योंकि बोर्ड परीक्षा में इन पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! समन्वय की प्रकृति के जो 6 बिंदु हमने पढ़े हैं, उन्हें उदाहरणों के साथ अच्छी तरह तैयार कर लेना। अक्सर इसकी विशेषताओं पर सीधा प्रश्न आता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› प्रबंध: लक्ष्य प्रभावी व दक्षता से प्राप्त करने की प्रक्रिया, हर संगठन में आवश्यक।

› प्रबंध: उद्देश्यपूर्ण, सर्वव्यापी, बहुआयामी, निरंतर, सामूहिक, गतिशील, अमूर्त शक्ति।

› प्रबंध के 3 उद्देश्य: संगठनात्मक (जीवित रहना, लाभ, बढ़ोतरी), सामाजिक, व्यक्तिगत।

› प्रबंध: सामूहिक लक्ष्य, दक्षता, गतिशील संगठन, व्यक्तिगत उद्देश्य, समाज विकास में योगदान।

› प्रबंध के तीन स्तर: उच्च (नीति), मध्य (क्रियान्वयन), प्रचालन (कार्यबल)

› प्रबंध के 5 कार्य: नियोजन, संगठन, नियुक्तिकरण, निर्देशन, नियंत्रण।

› समन्वय: सामूहिक कार्यों में एकात्मकता, निरंतर प्रक्रिया, सर्वव्यापी, सभी प्रबंधकों का उत्तरदायित्व।